हृदय और धड़कन

वर्ष-8, अंक-92, अगस्त 20, 2017

CIMS®
Care Institute of Medical Sciences

Price Rs. 5/-

कार्डियोलॉजिस्ट

डॉ. सत्य गुप्ता	+91-99250 45780
डॉ. विनीत सांखला	+91-99250 15056
डॉ. विपुल कपूर	+91-98240 99848
डॉ. तेजस वी. पटेल	+91-89403 05130
डॉ. गुणवंत पटेल	+91-98240 61266
डॉ. केयूर परीख	+91-98250 66664
डॉ. मिलन चग	+91-98240 22107
डॉ. उर्मिल शाह	+91-98250 66939
डॉ. हेमांग बक्षी	+91-98250 30111
डॉ. अनिश चंदाराणा	+91-98250 96922
डॉ. अजय नाईक	+91-98250 82666

कार्डियक सर्जन

डॉ. मनन देसाई	+91-96385 96669
डॉ. धीरेन शाह	+91-98255 75933
डॉ. धवल नायक	+91-90991 11133

पिडियाट्रिक और स्ट्रकचरल हार्ट सर्जन

डॉ. शौनक शाह	+91-98250 44502

कार्डियोवास्क्युलर, थोरासीक और थोराकोस्कोपीक सर्जन

डॉ. प्रणव मोदी	+91-99240 84700

कार्डियक एनेस्थेटिस्ट

डॉ. चिंतन शेठ	+91-91732 04454
डॉ. निरेन भावसार	+91-98795 71917
डॉ. हिरेन धोलकिया	+91-95863 75818

पिडियाट्रिक कार्डियोलॉजीस्ट

डॉ. कश्यप शेठ	+91-99246 12288
डॉ.दिव्येश सादडीवाला	+91-82383 39980
डॉ. मिलन चग	+91-98240 22107

निओनेटोलोजीस्ट और पीडियाट्रीक इन्टेन्सीवीस्ट

डॉ. अमित चितलीया	+91-90999 87400
डॉ. स्नेहल पटेल	+91-99981 49794

कार्डियाक इलेक्ट्रोफिजियोलोजीस्ट

डॉ. अजय नाईक	+91-98250 82666
डॉ. विनीत सांखला	+91-99250 15056

हृदय की सामान्य जानकारी

विश्व के समस्त लोगों की तुलना में भारतीय हृदयरोग का शिकार जल्दी बनते हैं।

शीध्रता से होता हुआ शहरीकरण, तनावयुक्त जीवन शैली, तम्बाकू का व्यापक उपयोग, भोजन में चरबीयुक्त पदार्थों का अतिशय सेवन, डायबिटीज, उच्च रक्तचाप (high blood pressure) और आरामदायक जीवन शैली जैसे विभिन्न कारणों से भारतीयों में हृदयरोग के प्रमाण में वृद्धि हुई है।

अब तो छोटी उम्र के लोग भी हृदयरोग का शिकार होने लगे हैं। इस समय करीब १० करोड़ से भी अधिक लोग हृदय की धमनी के रोग से पीड़ित हैं। एक अनुमान के अनुसार सन् २०२० तक विश्व के समस्त हृदय रोगियों में से आधे रोगी भारतीय होंगे, तथा भारतवर्ष में मत्यु का मुख्य कारण होगा दिल का दौरा। ऐसा नहीं लगता कि वास्तव में हृदयरोग के विषय में जानने का समय आ चुका है?

इलैक्ट्रिक पम्प

हृदय को परमकृपालु परमात्मा का चमत्कार ही कहा जा सकता है। मुठ्ठी के कद का यह अंग

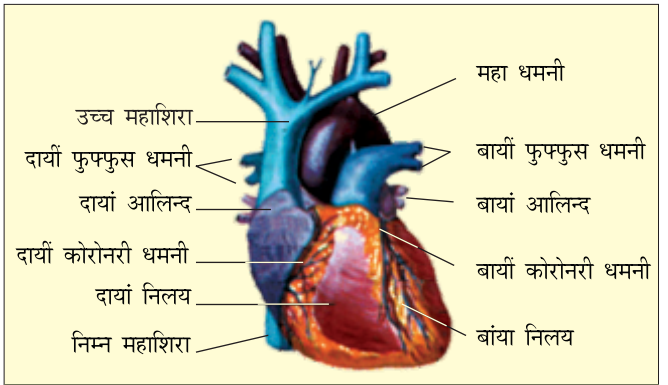

मानव हृदय का - बाह्य देखाव

जीवन भर हमारे पूरे शरीर में निरन्तर रक्त पंहुचाता रहता है, इस रक्त के द्वारा ही पूरे शरीर में ऑक्सीजन (प्राण वायु) तथा पोषक तत्त्व पंहुचते हैं, तथा रक्त द्वारा ही पूरे शरीर का कचरा और कार्बन-डाई-ऑक्साईड (दूषित वायु) निकलती है। हम अपने हृदय के उत्तम कार्य की हमेशा उपेक्षा ही करते हैं, और बीमार पड़ने पर तुरंत डॉक्टर के पास दौड़े चले जातें हैं पर शायद तब तक बहुत देर हो चुकी होती है।

हृदय के पास उसका अपना इलैक्ट्रिक

जैनरेटर है, जो हृदय को नियमित अंतर से हर मिनट में ६० से ८० बार धड़काता है।

हृदय की रचना और उसके खंड

हृदय की तुलना चार कमरों वाले एक मकान से की जा सकती है, क्योंकि हृदय के अंदर भी चार खंड होते हैं। जिस तरह मकान के कमरों में आने जाने के लिए दरवाजे होते हैं उसी तरह हृदय के खंडो के बीच में 'वाल्व' के नाम से जाना जाने वाला परदा होता है जो रक्त के आने व जाने के समय खुलता अथवा बंद होता है।

मेडिकल प्रेक्टिस किस तरह करनी चाहिए इस विषय में हमारे एक प्रोफेसर का कथन 'बुद्धिमान दिखो, कुछ बोलो मत और सिर्फ हें... हें... हें... जैसी आवाजें निकालते रहो।

मकान में हम किसी भी एक कमरे से दूसरे कमरे में आ - जा सकते हैं, परन्तु हृदय के अंदर बहता खून एक खंड से दूसरे खंड में केवल एक ही दिशा में जा सकता है, रक्त यदि विपरीत खंड या विपरीत दिशा में जाए तो वो बीमारी का लक्षण होता है।

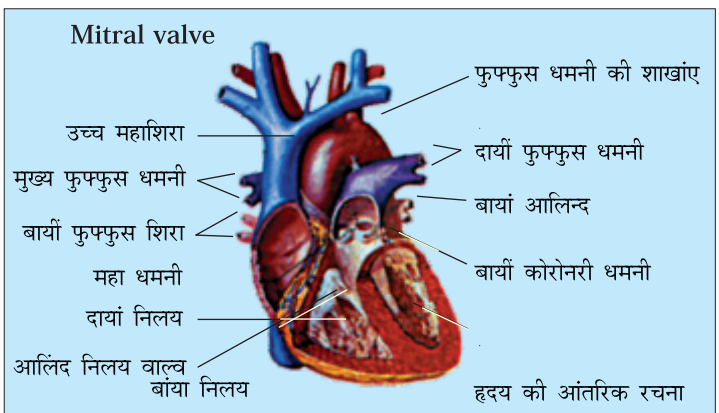

मानव हृदय का एक दर्शन

चक्र चलता ही रहता है

हृदय की स्नायु शरीर की अन्य माशपेयिों से अलग होती हैं।

हृदय के दो खंडो में से दो आलिंद व दो निलय होते हैं, आलिंद शरीर तथा फेंफड़ों से रक्त ले कर उन्हें निलय में धकेलते हैं, और क्षेपक उस रक्त को फिर से सारे शरीर व फेंफड़ों में भेजता है, इस तरह आलिंद व निलय पंप का काम कर रक्त को बहता हुआ रखते हैं।

यदि निलय पर अधिक जोर पड़ता है तो हृदय धीरे - धीरे कमजोर होता चला जाता है।

विशाल महाधमनी (एओर्टा) और फेंफड़ों की धमनियां (पल्मोनरी आर्टरी) में रक्त को धकेलने के लिए निलय सिकुड़ते हैं, और वाल्व के खुलने व बंद होने के कारण रक्त का प्रवाह योग्य दिशा में होता रहता है। दांये आलिंद और दांये निलय के बीच में ट्राइस्पीड वाल्व होता है और बांये आलिंद व बांये निलय के बीच में माइट्रल वाल्व होता है।

हृदय के स्नायु आजीवन काम करना बंद नहीं करते। केवल ' ओन पंप बायपास ' के ऑपरेशन के समय हृदय को बंद किया जाता है।

रक्त हमेशा आलिंद से निलय में जाता है, अगर ये उल्टी दिशा में बहने लगे तो उसे बीमारी का लक्षण कहा जाएगा।

माइट्रल और ट्राइस्पीड वाल्व के अलावा महाधमनी व पल्मोनरी धमनी के नीचे भी वाल्व होते हैं, इन्हें एओर्टिक वाल्व (महाधमनी के नीचे) और पल्मोनरी वाल्व (पल्मोनरी आर्टरी के नीचे) कहा जाता है।

इस तरह हृदय में कुल चार वाल्व होते हैं, इनमें से किसी भी

वाल्व में खराबी आ जाने से हृदय की कार्यक्षमता घट जाती है और यह बिमारी को आमंत्रित करती है।

रक्त वापस किस तरह आता है?

शिराओं द्वारा रक्त वापस हृदय तक पहुंचता है, झरने जिस तरह इकट्ठे हो कर नदी बनाते हैं उसी तरह नन्हीं-नन्हीं सी शिराएं एकत्रित होकर बड़ी शिराएं बनाती हैं, और वे फिर इकट्ठी हो कर सबसे बड़ी दो शिराएं - ऊर्ध्व महाशिरा (सुपीरियर वेना केवा) और निम्न महाशिरा (इन्फीरियर वेना केवा) बनाती हैं।

इन दो सबसे बड़ी शिराओं के द्वारा रक्त वापस हृदय के दाएं आलिंद में पहुंचता है। इस रक्त में ऑक्सीजन कम होता है। इसे ऑक्सीजन युक्त करने के लिए तब दाएं आलिंद से दाएं निलय में धकेला जाता है, और वहाँ से पल्मोनरी धमनी के द्वारा फेंफड़ों में ऑक्सीजनयुक्त बनने चला जाता है।

मेरी एक अति वृद्ध चाची मेरे बच्चों के साथ एक दिन मेरा हॉस्पिटल देखने आईं। वे अधिक पढ़ी हुई नहीं थी पर बहुत व्यवहारकुशल थीं। मैं रोगी को देख रहा था तभी उस ऑफिस में हमारे हॉस्पिटल के सर्जन आए। वे रोगी को देख कर तुरंत ऑपरेशन करने जाने वाले थे इसलिए मास्क पहन कर आए थे। उन्होंने रोगी की जांच की, ऑपरेशन की सलाह दी और ऑपरेशन की फीस बताई और चले गए।

रात में घर आकर चाची मेरे बच्चों को हॉस्पिटल के बारे में समझा रहीं थी।

'पर दादी, उस डॉक्टर ने मास्क क्यों पहना था?' मेरी लड़की ने पूछा।

'उन्होंने फीस इतनी मांगी थी कि उन्हें रोगी को मुंह बताते हुए शर्म आ रही थी इसलिए उसने मास्क पहना था।' मेरी चाची ने बच्चों को समझाया।

ऑक्सीजनयुक्त होने के बाद रक्त बाएं आलिंद में पहुंचता है, वहाँ से माइट्रल वाल्व में से हो कर बाएं निलय में पहुंचता है और बाएं निलय के शक्तिशाली संकुचन के कारण महाधमनी में धकेला जाता है। दोनों आलिंद व दोनों निलय के बीच की दीवार ऑक्सीजनयुक्त व ऑक्सीजनरहित रक्त को अलग रखती है। इन दीवारों के अन्दर किसी भी प्रकार की खराबी या किसी भी छेद के कारण यहाँ दोनों प्रकार के रक्त मिल जाते हैं तो बीमारी पैदा होती है। इस प्रकार की कमियां सामान्यतया जन्मजात होती हैं, और शल्यक्रिया या आन्तरिक हस्तक्षेप (इन्टरवेन्शन) के बिना इलाज से उसे ठीक किया जाता है।

हृदय को रक्त की आपूर्ति

एड्ड प्रकार से देखा जाए तो, हृदय की तुलना एक समाजसेवी संस्था से की जा सकती है, जो निरंतर निःस्वार्थ भावना से शरीर के अन्य अंगों की सेवा करता रहता है। जब हृदय को रक्त पहुंचाने वाली धमनियां सिकुड़ती हैं और हृदय को रक्त की पूरी मात्रा नहीं मिलती है तो इसे हृदय की धमनियों का रोग (Coranary Artery Disease) कहते हैं। हृदय को रक्त पहुंचाने वाली रक्तवाहिनियों के सिकुड़ जाने से 'एन्जायना' (छाती में दर्द) होता है। जबकि इसमें सम्पूर्ण अवरोध आ जाने से हृदयघात का हमला आता है, जिसे हम हार्ट अटैक (Heart Attack) के नाम से जानते हैं। अब हम अलग - अलग प्रकार के हृदयरोग, उनके कारण व इलाज के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त करेंगे।

स्वस्थ हृदय प्रत्येक मिनट में ५ से ६ लीटर रक्त शरीर में धकेलता है। कठिन कसरत करने के बाद हृदय प्रत्येक मिनट में ज्यादा से ज्यादा १५ से २० लिटर रक्त पंप कर सकता है।

सौजन्य 'दिल से' - लेखक : डॉ. केयूर परीख

सीम्स हॉस्पिटलमें शुभ आंरभ

सीम्स डेन्टीस्ट्री

हमारी विशेषज्ञता के क्षेत्र

कार्डियाक डेन्टीस्ट्री
(हृदयरोग के मरीज़ के दांत की चिकित्सा)

कोस्मेटीक और
एस्थेटीक डेन्टीस्ट्री

इम्प्लान्ट

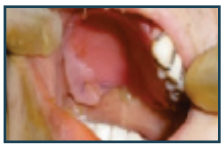
कैन्सर के मरीज़ के
दांत की चिकित्सा

सभान घेन के साथ
चिकित्सा

अन्य सेवाएँ

- ❑ प्रिवेन्टीव डेन्टीस्ट्री
- ❑ पीरीयोडोन्टीक्स
- ❑ ओर्थोडोन्टीक्स
- ❑ मेक्सिलोफेसीयल सर्जरी
- ❑ फीलींग
- ❑ रुट केनाल थेरापी (दांत के मुलिये की सारवार)
- ❑ पीडीयोडोन्टीक्स
- ❑ प्रोस्थोडोन्टीक्स
- ❑ फुल माउथ रीहेबीलीटेशन

- ❑ आधुनिक और आरामदायक वातावरणमें अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी साथमें मोर्डन उपकरण से दांत की श्रेष्ठ सारवार
- ❑ उच्चतम प्रकारकी दांत की सारवार जिसमें मरीज़ ज्यादा आराम के साथ (दर्द रहित), कम समयमें सारवार, कम से कम बेठक में इन्फक्श को नाबुद करने के लिये उच्च धोरणो पर विशेष ध्यान रख्रा जाता है ।
- ❑ डेन्टल की खुरशीमें ही सामान्य एनेस्थेसीयाकी सुविधा के साथ का डेन्टल सेटओ्प
- ❑ डेन्टल खुरशीमें ही कार्डियाक, एनआईबीपी (नोन इन्वेसीव ब्लड प्रेशर) और SpO2 (ऑक्सिजन सेच्युरेशन) की सतत देख्रभाल
- ❑ मल्टी-डिसिप्लीनरी टीमका अभिगम जिसमें कार्डियोलॉजीस्ट, इन्टेन्सीवीस्ट, फीझीशीयन और डायाबीटोलॉजीस्टको बेक-अप सपोर्ट
- ❑ मरीज़ की गोपनीयता और सुविधा के लिये विशेष पांच डेन्टल चेर
- ❑ एनएबीएच और जेसीआई मान्यताप्राप्त डेन्टल सेटअप

सीम्स अस्पताल की मेडिकल टीम में शामिल हुए नये डॉक्टर

डॉ. मनीष गांधी
MBBS, MS (General Surgery),
DNB (Surgical Gastroenterology), FACRSI
गेस्ट्रो इन्टेस्टीनल सर्जन
(मो) +91-9099655755
manish.gandhi@cimshospital.org

डॉ. कृणाल पटेल
MBBS, MS (Ortho),
ट्रोमा और जॉईन्ट रीप्लेसमेन्ट सर्जन
(मो) +91-9723553665
krunal.patel@cimshospital.org

डॉ. रीना शर्मा
MBBS, MD (General Medicine),
PG in Pain Management,
Fellowship in Rheumatology
रह्युमेटोलॉजीस्ट
(मो) +91-9601400965
reena.sharma@cimshospital.org

अपोइन्टमेन्ट के लिये फोन
+91-79-3010 1008
(मो) +91-98250 66661

सीम्स न्युरोलॉजी टीम में शामिल हुये नये डॉक्टर्स

डॉ. मयंक पटेल
MD (Med), DM (Neuro)
(मो) +91-98250 20742

डॉ. परीन्द्र देसाई
MD (Med), DM (Neuro)
(मो) +91-98250 31672

डॉ. शालिन शाह
MD (Med), DM (Neuro)
(मो) +91-98254 65067

डॉ. प्रणव जोशी
MD (Med), DNB (Neuro)
(मो) +91-99252 32916

अपोइन्टमेन्ट के लिये फोन
+91-79-3010 1008 (मो) +91-98250 66661

सीम्स न्युरोलॉजी

CIMS®
Care Institute of Medical Sciences
Earning Trust with World-Class Practices

स्ट्रोक को "ब्रेईन अेटेक" के नाम से पहचाना जाता है ।
स्ट्रोक तब होता है जब कीसी के दिमाग की
कोशिकाओमें रक्त के प्रवाहमें रुकावट आती है या
दिमाग की कोई धमनी फट जाती है ।

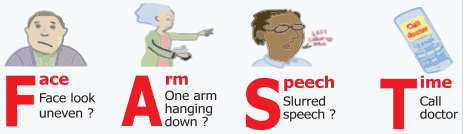

Time we save

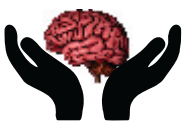

Brain we save

स्ट्रोक के अति जोखिम

उच्च रक्तचाप

उच्च कोलेस्ट्रोल

डायाबिटीस

बढती उम्र

ज्यादा धुम्रपान

एम्ब्युलन्स : +91-98244 50000 | इमरजन्सी : +91-97234 50000

CIMS
CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices

शुकन मॉल के पास, ऑफ साईन्स सिटी रोड,
सोला, अहमदाबाद-380060.
फोन : +91-79-2771 2771-72, फेक्स : +91-79-2771 2770
ईमेल : info@cims.org | www.cims.org

भारत की एकमात्र ऐसी हॉस्पिटल के जहां पे नीचे दी गई मान्यता है
JCI (USA) NABH NABL ACC GreenOT

CIMS Application Available On :

24 x 7 हेल्पलाईन : +91-70 69 00 00 00

CIMS®
CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices

सीम्स हॉस्पिटलमें शुभ आंरभ

सीम्स न्युरोसायन्सीस और स्ट्रोक युनीट

बडी न्युरोसायन्सीस टीम

(न्युरोलॉजीस्ट, न्युरोसर्जन, न्युरोईन्टरवेन्शनल विशेषज्ञ,
रेडियेशन ऑन्कोलोजीस्ट, न्युरोरेडियोलोजीस्ट और अन्य सपोर्ट टीम मेम्बर्स)

- विशेष स्ट्रोक युनीट और आईसीयु
- अेपीलेस्पी क्लिनिक
- ब्रेईन और स्पाईन (दिमाग और रिढ़ की हड्डी) की सर्जरी
- दिमाग और रिढ़ की हड्डी के गांठ की सर्जरी (न्युरोऑन्कोलोजी)
- अेन्डोवास्क्युलर विशेषज्ञ
- इन्टरवेन्शनल न्युरोरेडियोलॉजी
- न्युरोपेथोलॉजी
- न्युरोरिहेबीलीटेशन
- न्युरोएनेस्थेशीया
- गुजरात के प्रथममें से एक डीजीटलाइज **ऑपरेशन थीयेटर और आईसीयु**
- गुजरात के प्रथममें से एक **Carl Zeiss Pentero 900 Microscope** (सर्जरी के समय ज्यादा बारीकाई से देख सके ऐसी नई तकनीक)
- गुजरात की प्राईवेट अस्पताल में सिर्फ ऐसी अस्पताल की जहां पे दो एडवान्स CT Scan - 128 स्लाईस तावी प्रोटोकोल और एक एमआरआई सीग्ना एक्सप्लोरर - 1.5 टेस्ला एमआरआई (भारत में पहला) एडवान्सड न्युरोइमेजिंग सायलेन्ट स्केन की सुविधा के साथ।
- न्युरोईन्टरवेन्शन के लिये 3 केथलेब
- एडवान्सड 32 चेनल डीजीटल EEG मशीन (सभी जगह ले जाने की और वीडीयो रेकोर्डिंग की सुविधा के साथ)
- 4 चेनल इएमजी - अेनसीएस मशीन (सभी जगह ले जाने की सुविधा के साथ)
- आईसीयु ओन व्हीलस की सुविधा के साथ

2 CT SCANS

1 MRI

MICROSCOPE

NEURO ICU

NEURO OT COMPLEX

न्यूरोसर्जन

डॉ. देवेन झवेरी डॉ. टी.के.बी. गणपति

न्यूरोलॉजीस्ट

डॉ. मयंक पटेल डॉ. परिन्द्र देसाई
डॉ. शालीन शाह डॉ. प्रणव जोषी
डॉ. प्रियांक शाह

अपोइन्टमेन्ट के लिये फोन : +91-79-3010 1008 (मो) +91-98250 66661

सीम्स हार्ट केर

गुजरात के तबीबी क्षेत्रमें कई उपलब्धिया हांसिल करने वाला सीम्स हार्ट केर

खुब कम समय में
3 सफल हार्ट ट्रान्सप्लान्ट (सिर्फ सीम्स हॉस्पिटल में)

नई अत्याधुनिक टेनलोलॉजी TAVR / TAVI का उपयोग

5 मरीज़में अेओर्टिक वाल्वकी बीमारी के लिये **TAVR/TAVI**
(ट्रान्सकेथेटर अेओर्टिक वाल्व रिप्लेसमेन्ट)

के द्वारा सारवार दी गई है, जिसकी वजह से गुजरात राज्यमें तबीबी क्षेत्रमें सिध्धि का सर्जन हुआ है ।
जिसमें सर्जरी के बिना पगकी नली (फेमोरल) के द्वारा हृदयमें नये वाल्व का इम्प्लान्ट किया गया वह भी ओपन हार्ट सर्जरी के बिना

जो मरीज़ को गंभीर अेओर्टीक स्टेनोसीस है वह जो **2** साल तक उसकी सारवार न करवाये तो उसकी मृत्यु होने की संभावना **50** प्रतिशत तक है ।
करीबन **15** लाख (**1.5** मीलीयन) लोग जो गंभीर अेओर्टीक स्टेनोसीससे पीडीत है ।
उसमें से **5** लाख मरीज़ ऐसे है जीसकी सर्जरी नही हो सकती ।

जो लोग यह वाल्वकी बीमारी से पीडीत है उसके लिये ट्रान्सकेथेटर अेओर्टिक वाल्व रिप्लेसमेन्ट एक नयी अत्याधुनिक टेकनोलोजी है जो लोगो के लिये श्रेष्ठ विकल्प है ।

अपोइन्टमेन्ट के लिये फोन : +91-79-3010 2235 | ईमेल : opd.rec@cimshospital.org

"Hriday Aur Dhadkan" Registered under RNI No. GUJHIN/2009/28021
Published 20th of every month
Permitted to post at PSO, Ahmedabad-380002 on the 1st to 7th of every month under
Postal Registration No. GAMC-1730/2016-2018 issued by SSP Ahmedabad valid upto 31st December, 2018

If undelivered Please Return to :

CIMS Hospital, Nr. Shukan Mall,

Off Science City Road, Sola, Ahmedabad-380060.

Ph. : +91-79-2771 2771-72

Fax: +91-79-2771 2770

Mobile : +91-98250 66664, 98250 66668

"हृदय और धड़कन" का अंक प्राप्त करने के लिये : अगर आपको "हृदय और धड़कन" का अंक चाहिए तो इसका मूल्य ₹ 60 (12 अंक) है । इसको प्राप्त करने के लिये केश या चेक/डीडी सीम्स होस्पिटल प्रा. ली. के नाम से और आपका नाम और पुरे पते के साथ हमारी ओफिस हृदय और धड़कन डिपार्टमेन्ट, सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060 पर भेज दे । फोन नं. : +91-79-3010 1059/1060

CIMS

सीम्स एक्सप्रेस

बेहतर सेवाऐं प्रदान करने के लिये उसी दिन अपोइन्टमेन्ट

क्या आपको आज ही अपोइन्टमेन्ट चाहिए ?

सीम्स में हम डॉक्टर* की उसी दिन अपोइन्टमेन्ट का वादा करते है
अगर आपको उसी दिन की अपोइन्टमेन्ट चाहिये तो
दोपहर 12.00 बजे से पहले फोन करे (सोमवार से शुक्रवार)
अगर आप दोपहर 12.00 बजे के बाद फोन करेगें तो
आपको अगले दीन की अपोइन्टमेन्ट मिलेगी

+91-9825066661
+91-79-30101008

*बीमारी से संबंधित (स्पेश्यालीटी) टीम हाजिर होगी वही उसी दिन जाँच करेगी।
शनिवार और रविवार की अपोइन्टमेन्ट नहीं मिलेगी ।

*शर्ते लागु

CIMS Hospital Pvt. Ltd. | CIN : U85110GJ2001PTC039962 | info@cims.org | www.cims.org

मुद्रक, प्रकाशक और संपादक डॉ. हेमांग बक्षी ने सीम्स अस्पताल की ओर से
हरिओम प्रिन्टरी, 15/1, नागोरी एस्टेट, ई.एस.आई डिस्पेन्सरी, दुधेश्वर रोड, अहमदाबाद-380004 से मुद्रित किया और
सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060 से प्रकाशित किया।